

UNIT 1

Definition of Entrepreneur

An entrepreneur is someone who creates and/or invests in a business. They take on most of the risks and enjoy most of the rewards.

Entrepreneurs are:

- Innovators who identify opportunities, create solutions, and shape market trends
- Calculated risk-takers who are meticulous with their financial planning
- Employers of productive labor
- Contractors

उद्यमी की परिभाषा

एक उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो कोई व्यवसाय बनाता है और/या उसमें निवेश करता है। वे अधिकांश जोखिम उठाते हैं और अधिकांश पुरस्कारों का आनंद लेते हैं।

उद्यमी हैं:

- नवप्रवर्तक जो अवसरों की पहचान करते हैं, समाधान बनाते हैं और बाज़ार के रुझान को आकार देते हैं
- परिकल्पित जोखिम लेने वाले जो अपनी वित्तीय योजना में सावधानी बरतते हैं
- उत्पादक श्रम के नियोक्ता
- ठेकेदार

Internal and External Factors

Internal factors are elements that come from within a company or are under its control. External factors are elements that come from outside the company.

Internal factors

Culture changes, Management changes, Employee morale, Human resources, Organizational structure, Corporate culture, Technology within the organization.

External factors

- Political factors
- Economic factors
- Sociocultural factors
- Environmental factors
- Legal factors
- Competition from other businesses

External economic conditions such as inflation, interest rates, economic growth, and fluctuations in consumer spending

Laws, regulations, and government policies that organizations must comply with

The internal environment offers strengths and weaknesses to business while the external environment brings opportunities and threats.

आंतरिक और बाह्य कारक

आंतरिक कारक वे तत्व हैं जो किसी कंपनी के भीतर से आते हैं या उसके नियंत्रण में होते हैं। बाहरी कारक वे तत्व हैं जो कंपनी के बाहर से आते हैं।

आंतरिक फ़ैक्टर्स

संस्कृति परिवर्तन, प्रबंधन परिवर्तन, कर्मचारी मनोबल, मानव संसाधन, संगठनात्मक संरचना, कॉर्पोरेट संस्कृति, संगठन के भीतर प्रौद्योगिकी।

बाह्य कारक

- राजनीतिक कारक
- आर्थिक कारक
- सामाजिक-सांस्कृतिक कारक
- वातावरणीय कारक
- कानूनी कारक
- अन्य व्यवसायों से प्रतिस्पर्धा

बाहरी आर्थिक स्थितियाँ जैसे मुद्रास्फीति, ब्याज दरें, आर्थिक विकास और उपभोक्ता खर्च में उतार-चढ़ाव

कानून, विनियम और सरकारी नीतियाँ जिनका संगठनों को पालन करना चाहिए

आंतरिक वातावरण व्यवसाय को ताकत और कमजोरियाँ प्रदान करता है जबकि बाहरी वातावरण अवसर और खतरे लाता है।

Functions of an Entrepreneur

Entrepreneurs have many functions, including:

- Innovation: Entrepreneurs innovate new products, services, ideas, and information for their enterprise. They foresee profitable opportunities and try to exploit them.
- Determination of objectives: Entrepreneurs decide the aims and objectives of their business.
- Entrepreneurial motivation: Entrepreneurs determine the course of action to achieve their objectives. They decide what to do, when to do it, how to do it, and who will do it.
- Managerial functions: Entrepreneurs perform managerial functions, such as:
 - Production
 - Development of their business
- Organizing resources** Entrepreneurs control the activities of the factors of production. They guide, coordinate, and direct activities so that group objectives can be accomplished.

Other functions of an entrepreneur include:

- Initiating and leading business activities
- Allocating employees' duties
- Forecasting business changes
- Creating jobs
- Identifying business opportunities
- Creating and sharing wealth
- Improving the standard of living
- Taking up and reducing business risk

एक उद्यमी के कार्य

उद्यमियों के कई कार्य होते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- नवाचार: उद्यमी अपने उद्यम के लिए नए उत्पादों, सेवाओं, विचारों और सूचनाओं का आविष्कार करते हैं। वे लाभदायक अवसरों को देखते हैं और उनका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।
- उद्देश्यों का निर्धारण: उद्यमी अपने व्यवसाय के लक्ष्य और उद्देश्य तय करते हैं।

· उद्यमशीलता प्रेरणा: उद्यमी अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई की दिशा निर्धारित करते हैं। वे तय करते हैं कि क्या करना है, कब करना है, कैसे करना है और कौन करेगा।

· प्रबंधकीय कार्य: उद्यमी प्रबंधकीय कार्य करते हैं, जैसे:

ओ उत्पादन

o उनके व्यवसाय का विकास

· संसाधनों को व्यवस्थित करना** उद्यमी उत्पादन के कारकों की गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं। वे गतिविधियों का मार्गदर्शन, समन्वय और निर्देशन करते हैं ताकि समूह के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

एक उद्यमी के अन्य कार्यों में शामिल हैं:

· व्यावसायिक गतिविधियों को आरंभ करना और नेतृत्व करना

· कर्मचारियों के कर्तव्यों का आवंटन

· व्यवसाय परिवर्तन का पूर्वानुमान लगाना

· नौकरियाँ पैदा करना

· व्यवसाय के अवसरों की पहचान करना

· धन बनाना और साझा करना

· जीवन स्तर में सुधार

· व्यावसायिक जोखिम उठाना और कम करना

Entrepreneurial Motivation and Barriers

Entrepreneurial motivation is the process that motivates an entrepreneur to work hard to achieve their goals. Entrepreneurial motivation is correlated with entrepreneurial intention. Entrepreneurial intention is a person's desire to become an entrepreneur.

Factors that influence entrepreneurial motivation include:

- Social valuation of entrepreneurship
- Having entrepreneurial role models
- Knowledge of entrepreneurial support
- Perceived barriers to starting a business

- Social factors such as insistence on conformity
- Economic environment
- Every creative decision must be aligned with the vision of entrepreneurs

Barriers to entrepreneurship include:

- Social factors such as insistence on conformity
- Excessive protective attitude among children during their formative years
- Discouragement to mobility
- Gender differences in personal skills and socio-demographic characteristics

उद्यमशीलता प्रेरणा और बाधाएँ

उद्यमशीलता प्रेरणा वह प्रक्रिया है जो एक उद्यमी को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। उद्यमशीलता की प्रेरणा उद्यमशीलता के इरादे से संबंधित है। उद्यमशील इरादा एक व्यक्ति की उद्यमी बनने की इच्छा है।

उद्यमशीलता प्रेरणा को प्रभावित करने वाले कारकों में शामिल हैं:

- उद्यमिता का सामाजिक मूल्यांकन
- उद्यमशील रोल मॉडल होना
- उद्यमशीलता समर्थन का ज्ञान
- व्यवसाय शुरू करने में आने वाली बाधाएँ
- अनुरूपता पर जोर जैसे सामाजिक कारक
- आर्थिक माहौल
- प्रत्येक रचनात्मक निर्णय उद्यमियों के दृष्टिकोण के अनुरूप होना चाहिए

उद्यमिता में आने वाली बाधाओं में शामिल हैं:

- अनुरूपता पर जोर जैसे सामाजिक कारक
- अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान बच्चों में अत्यधिक सुरक्षात्मक रवैया
- गतिशीलता को हतोत्साहित करना
- व्यक्तिगत कौशल और सामाजिक-जनसांख्यिकीय विशेषताओं में लिंग अंतर

Classification of Entrepreneurship

Entrepreneurship is the process of starting a business. There are four main types of entrepreneurship: Small businesses, Scalable startups, Large companies, Social entrepreneurs.

Here are some types of entrepreneurs:

- Imitating entrepreneurs: These entrepreneurs copy the inventions of others.
- Drone entrepreneurs: These entrepreneurs are not interested in imitating new technologies.
- Fabian entrepreneurs: These entrepreneurs are not interested in taking risks.
- Innovating entrepreneurs: These entrepreneurs come up with new ideas and innovations.
- Manufacturing entrepreneurs: These entrepreneurs identify customer needs and manufacture products to meet those needs.
- Private entrepreneurs: These entrepreneurs start ventures on their own risk.

Entrepreneurship is the attitude of seeking opportunities, taking calculated risks, and deriving benefits by setting up a venture.

उद्यमिता का वर्गीकरण

उद्यमिता एक व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया है। उद्यमिता के चार मुख्य प्रकार हैं: छोटे व्यवसाय, स्केलेबल स्टार्टअप, बड़ी कंपनियां, सामाजिक उद्यमी।

यहां कुछ प्रकार के उद्यमी हैं:

- उद्यमियों की नकल करना: ये उद्यमी दूसरों के आविष्कारों की नकल करते हैं।
- ड्रोन उद्यमी: ये उद्यमी नई प्रौद्योगिकियों की नकल करने में रुचि नहीं रखते हैं।
- फैबियन उद्यमी: ये उद्यमी जोखिम लेने में रुचि नहीं रखते हैं।
- नवोन्मेषी उद्यमी: ये उद्यमी नए विचारों और नवाचारों के साथ आते हैं।
- विनिर्माण उद्यमी: ये उद्यमी ग्राहकों की जरूरतों की पहचान करते हैं और उन जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादों का निर्माण करते हैं।
- निजी उद्यमी: ये उद्यमी अपने जोखिम पर उद्यम शुरू करते हैं।

उद्यमिता अवसरों की तलाश करने, परिकलित जोखिम लेने और उद्यम स्थापित करके लाभ प्राप्त करने का दृष्टिकोण है।

Theory of Entrepreneurship

There are several theories of entrepreneurship, including:

- Innovation theory:
 - Also known as the dynamic theory, this theory states that entrepreneurs start innovations in ventures.
- Sociological theory
 - This theory states that entrepreneurship is determined by variables like cultural values, role expectations, and social sanctions.
- Psychological theory
 - This theory states that entrepreneurs emerge because of individuals having certain psychological elements, such as will power, self-intuitions, and tolerance capacity.
- Opportunity based theory
 - This theory states that individuals and opportunities influence each other.
- Resource-based theory
 - This theory states that entrepreneurs are people who make decisions about obtaining and using resources while admitting the risk of enterprise.

Other theories of entrepreneurship include:

- Economic entrepreneurship theory
- Anthropological entrepreneurship theory
- James Stuart Mill's theory, which states that entrepreneurship and economic growth will take place in situations where particular economic conditions are most favorable

उद्यमिता के कई सिद्धांत हैं, जिनमें शामिल हैं:

• नवप्रवर्तन सिद्धांत:

○ गतिशील सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है, यह सिद्धांत बताता है कि उद्यमी उद्यमों में नवाचार शुरू करते हैं।

• समाजशास्त्रीय सिद्धांत

○ यह सिद्धांत बताता है कि उद्यमशीलता सांस्कृतिक मूल्यों, भूमिका अपेक्षाओं और सामाजिक प्रतिबंधों जैसे चर द्वारा निर्धारित होती है।

• मनोवैज्ञानिक सिद्धांत

○ यह सिद्धांत बताता है कि उद्यमी ऐसे व्यक्तियों के कारण उभरते हैं जिनमें कुछ मनोवैज्ञानिक तत्व होते हैं, जैसे इच्छा शक्ति, आत्म-अंतर्ज्ञान और सहनशीलता क्षमता।

• अवसर आधारित सिद्धांत

o यह सिद्धांत बताता है कि व्यक्ति और अवसर एक दूसरे को प्रभावित करते हैं।

· संसाधन आधारित सिद्धांत

o यह सिद्धांत बताता है कि उद्यमी वे लोग हैं जो उद्यम के जोखिम को स्वीकार करते हुए संसाधनों को प्राप्त करने और उपयोग करने के बारे में निर्णय लेते हैं।

उद्यमिता के अन्य सिद्धांतों में शामिल हैं:

· आर्थिक उद्यमिता सिद्धांत

· मानवशास्त्रीय उद्यमिता सिद्धांत

· जेम्स स्टुअर्ट मिल का सिद्धांत, जो बताता है कि उद्यमिता और आर्थिक विकास उन स्थितियों में होगा जहां विशेष आर्थिक स्थितियां सबसे अनुकूल होंगी

Concept of Entrepreneurship

Entrepreneurship is the ability to create, organize, and run a business in order to make a profit. It involves:

- Recognizing business opportunities
- Managing risk
- Mobilizing resources
- Combining resources, skills, and vision
- Creating new products, services, or solutions

Entrepreneurship involves taking calculated risks and being innovative. It includes not only financial risk, but also the risk of failure and the risk of not being able to predict the future.

The concept of entrepreneurship was introduced by Joseph Alois Schumpeter. The first academic use of the word by an economist was likely in 1730 by Richard Cantillon.

The most prominent example of entrepreneurship is the starting of new businesses.

उद्यमिता की अवधारणा

उद्यमिता लाभ कमाने के लिए व्यवसाय बनाने, व्यवस्थित करने और चलाने की क्षमता है। उसमें शामिल है:

- व्यावसायिक अवसरों को पहचानना
- जोखिम का प्रबंधन
- संसाधन जुटाना
- संसाधनों, कौशल और दृष्टि का संयोजन
- नए उत्पाद, सेवाएँ या समाधान बनाना

उद्यमिता में परिकल्पित जोखिम लेना और नवोन्मेषी होना शामिल है। इसमें न केवल वित्तीय जोखिम शामिल है, बल्कि विफलता का जोखिम और भविष्य की भविष्यवाणी करने में सक्षम न होने का जोखिम भी शामिल है।

उद्यमिता की अवधारणा जोसेफ एलोइस शुम्पीटर द्वारा प्रस्तुत की गई थी। किसी अर्थशास्त्री द्वारा इस शब्द का पहला अकादमिक प्रयोग संभवतः 1730 में रिचर्ड कैटिलॉन द्वारा किया गया था।

उद्यमिता का सबसे प्रमुख उदाहरण नए व्यवसायों की शुरुआत है।

Development in Entrepreneurship

Entrepreneurship development is the process of improving the skills and knowledge of entrepreneurs. The goal is to increase the number of entrepreneurs and speed up the creation of new businesses.

Entrepreneurship development involves:

- Structured training programs
- Institution-building programs
- Counseling
- Other resources
- Studying entrepreneurial behavior, business dynamics, and development and expansion
- Assessing resources, risks, and abilities

Entrepreneurship development can include:

- Business laws
- Business economics
- Business environment
- Accounting and auditing

- Business management and entrepreneurship
- Business communication and ethics

Entrepreneurship development is beneficial for people who want to start or grow their own businesses.

उद्यमिता में विकास

उद्यमिता विकास उद्यमियों के कौशल और ज्ञान में सुधार करने की प्रक्रिया है। लक्ष्य उद्यमियों की संख्या बढ़ाना और नए व्यवसायों के निर्माण में तेजी लाना है।

उद्यमिता विकास में शामिल हैं:

- संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- संस्था-निर्माण कार्यक्रम
- परामर्श
- अन्य संसाधन
- उद्यमशीलता व्यवहार, व्यवसाय की गतिशीलता और विकास और विस्तार का अध्ययन करना
- संसाधनों, जोखिमों और क्षमताओं का आकलन करना

उद्यमिता विकास में शामिल हो सकते हैं:

- व्यापार कानून
- व्यावसायिक अर्थशास्त्र
- व्यापारिक वातावरण
- लेखा और लेखा परीक्षण
- व्यवसाय प्रबंधन और उद्यमिता
- व्यावसायिक संचार और नैतिकता

उद्यमिता विकास उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना या बढ़ाना चाहते हैं।

Stages in Entrepreneurial Process

The entrepreneurial process can be divided into five key stages: Ideation, Feasibility analysis, Business planning, Execution, Growth.

Each stage is crucial and requires distinct considerations and actions to increase the chances of success.

Other stages of the entrepreneurial process include:

- Opportunity evaluation
- Company formation/launch
- Scaling
- Hypergrowth
- Brainstorming and exploring
- Getting organized
- Building your network
- Finding investors and partners
- Marketing and launching

The first step in the entrepreneurial process is to think of an idea. This can be a new product or service, or a way to improve a current one. To ensure you're successful, it's important to think about how you can make life easier for people with your idea

उद्यमशीलता प्रक्रिया के चरण

उद्यमशीलता प्रक्रिया को पांच प्रमुख चरणों में विभाजित किया जा सकता है: विचार, व्यवहार्यता विश्लेषण, व्यवसाय योजना, निष्पादन, विकास।

प्रत्येक चरण महत्वपूर्ण है और सफलता की संभावना बढ़ाने के लिए अलग-अलग विचारों और कार्यों की आवश्यकता होती है।

उद्यमशीलता प्रक्रिया के अन्य चरणों में शामिल हैं:

- अवसर मूल्यांकन
- कंपनी का गठन/लॉन्च
- स्केलिंग
- अतिवृद्धि
- विचार-मंथन और अन्वेषण
- संगठित होना

- अपना नेटवर्क बनाना
- निवेशकों और साझेदारों को ढूँढना
- मार्केटिंग और लॉन्चिंग

उद्यमशीलता प्रक्रिया में पहला कदम एक विचार के बारे में सोचना है। यह एक नया उत्पाद या सेवा हो सकता है, या मौजूदा को बेहतर बनाने का एक तरीका हो सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप सफल हों, यह सोचना महत्वपूर्ण है कि आप अपने विचार से लोगों का जीवन कैसे आसान बना सकते हैं